कन्हैया ले चल परली पार |By Sunny Hari

जहाँ विराजे राधा रानी अलबेली सरकार
सांवरिया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार
कन्हैया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार

गुण अवगुण सब तेरे अर्पण
पाप पुण्य सब तेरे अर्पण
बुद्धि सहित मन तेरे अर्पण
ये जीवन भी तेरे अर्पण
मैं तेरे चरणों की दासी मेरे प्राण आधार
सांवरिया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार
कन्हैया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार

तेरी आस लगा बैठी हूँ
लज्जा शील गँवा बैही हूँ मैं
अपना आप लुटा बैठी हूँ
आँखें खूब थका बैठी हूँ
सांवरिया मैं तेरी रागिनी तू मेरा राग मल्हार
सांवरिया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार
कन्हैया ले चल परली पार
सांवरिया ले चल परली पार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-sunny-hari/